समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

एशिया कप ट्रॉफी विवाद ने लिया विवादित मोड़, BCCI सचिव ने ACC से संपर्क करने की पुष्टि की

Publisher

Published on 01 Nov 2025

क्रिकेट जगत में एशिया कप ट्रॉफी को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव **देवाजित सैकिया** ने पुष्टि की है कि ट्रॉफी से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए BCCI ने **एशियाई क्रिकेट काउंसिल (ACC)** से संपर्क किया है। इस विवाद ने केवल खेल प्रेमियों को ही नहीं बल्कि बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच भी चिंता पैदा कर दी है।

देवाजित सैकिया ने एक प्रेस बयान में कहा, *“[illegible] ACC [illegible]”*

विवाद की शुरूआत तब हुई जब एशिया कप ट्रॉफी को लेकर **कुछ टीमों और आयोजकों के बीच असहमति** सामने आई। हालांकि अभी तक इसका पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार ट्रॉफी की **स्वामित्व और प्रदर्शन** को लेकर मतभेद सामने आए।

BCCI ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड का उद्देश्य किसी भी टीम या खिलाड़ियों के अधिकारों का उल्लंघन करना नहीं है। इसके अलावा, ACC को भी स्थिति की पूरी जानकारी दी गई है ताकि **निष्पक्ष निर्णय** लिया जा सके। देवाजित सैकिया ने यह भी कहा कि यह कदम बोर्ड और ACC दोनों के बीच **विश्वसनीयता और पारदर्शिता** बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद का समय पर समाधान करना बेहद आवश्यक है, क्योंकि **एशिया कप का आयोजन और आगामी मैचों की तैयारी** प्रभावित हो सकती है। यदि विवाद लंबित रहता है, तो खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है।

BCCI का यह कदम यह दिखाता है कि बोर्ड **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेदारी और अधिकारों का पालन** कर रहा है। देवाजित सैकिया ने कहा कि बोर्ड ट्रॉफी के न्यायपूर्ण वितरण और सही प्रक्रिया के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

इस विवाद का प्रभाव न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया के क्रिकेट समुदाय पर पड़ा है। एशिया कप में शामिल टीमों के कप्तानों और कोचों ने भी इस मामले पर **संकोच व्यक्त किया** है और सभी से संयम बरतने की अपील की है।

क्रिकेट विश्लेषकों का कहना है कि ACC के हस्तक्षेप से विवाद का समाधान जल्दी और प्रभावी तरीके से हो सकता है। यह स्थिति खेल जगत में **नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी** के महत्व को भी उजागर करती है।

भविष्य के लिए BCCI ने यह आश्वासन दिया है कि ट्रॉफी वितरण और संबंधित सभी कार्यवाहियों में **पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता** बरती जाएगी। देवाजित सैकिया ने यह भी कहा कि बोर्ड का उद्देश्य केवल खेल को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना है।

कुल मिलाकर, एशिया कप ट्रॉफी विवाद ने क्रिकेट जगत में एक नई बहस शुरू कर दी है। BCCI द्वारा ACC से संपर्क करने का कदम यह दर्शाता है कि बोर्ड **समस्याओं का तर्कसंगत और निष्पक्ष समाधान** खोजने के लिए सक्रिय है। अब फैंस और क्रिकेट जगत की निगाहें ACC के निर्णय पर टिकी हैं, जो इस विवाद को स्थायी रूप से समाप्त कर सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.